सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 317 | इंदौर, गुरुवार 04 जून, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मध्यप्रदेश को केंद्र का बड़ा तोहफा

नेशनल हाईवे-347बी परियोजना को मिली 4,415 करोड़ की मंजूरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने मध्यप्रदेश को सड़क अधोसंरचना के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-347बी (एनएच-347बी) के उन्नयन परियोजना को मंजूरी दे दी है। जुलवानिया-खंडवा-बैतूल मार्ग के 233 किलोमीटर लंबे हिस्से के विकास पर लगभग 4,415 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस परियोजना से प्रदेश के बैतूल, खंडवा, खरगोन और बड़वानी जिलों को बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा। परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग को आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। मार्ग पर कई स्थानों पर बाईपास भी बनाए जाएंगे, जिससे शहरों में यातायात का दबाव कम होगा और यात्रियों को सुगम एवं तेज सफर का लाभ मिलेगा। सड़क के उन्नयन से यात्रा समय में कमी आएगी और सड़क सुरक्षा भी बेहतर होगी।

यह परियोजना क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति देगी। बेहतर सड़क संपर्क से औद्योगिक इकाइयों, वस्त्र उद्योग, मेगा फूड पार्क और ऊर्जा परियोजनाओं तक पहुंच आसान होगी। साथ ही रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों से कनेक्टिविटी मजबूत होने से व्यापार और परिवहन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस सड़क परियोजना का लाभ किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सीधे तौर पर मिलेगा। कृषि उत्पादों और औद्योगिक सामान के परिवहन में समय और लागत दोनों की बचत होगी। इससे क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

केंद्र सरकार के अनुसार परियोजना के निर्माण के दौरान बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सड़क निर्माण और उससे जुड़ी गतिविधियों से लाखों मानव दिवस रोजगार का सृजन होने की उम्मीद है। एनएच-347बी के उन्नयन को निमाड़ और मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिलेगा।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सीएम का नया कदम

काफिले में शामिल हुई इलेक्ट्रिक कार, 500 किलोमीटर रेंज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वच्छ ऊर्जा और ईंधन बचत को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री के आधिकारिक काफिले में अब अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन को शामिल किया गया है। इसके साथ ही वे प्रदेश के उन चुनिंदा मुख्यमंत्रियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने सरकारी उपयोग में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री के लिए हाल ही में नई इलेक्ट्रिक एसयूवी उपलब्ध कराई गई है, जिसका उपयोग वे सरकारी कार्यक्रमों और आवागमन के दौरान करेंगे। यह वाहन एक बार चार्ज होने पर 500 किमी लंबी दूरी तय करने में सक्षम है, जिससे ईंधन की खपत में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को बल मिलेगा।

नंबर प्लेट में छिपा है विशेष संदेश

मुख्यमंत्री की नई कार को मिला पंजीयन नंबर MP02 'VB 2047' भी विशेष महत्व रखता है। वाहन के

नंबर में शामिल 'VB' को 'विकसित भारत' की अवधारणा से जोड़ा जा रहा है, जबकि '2047' स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक माना जा रहा है। इस माध्यम से सरकार ने विकास और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का प्रयास किया है।

हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल

राज्य सरकार लगातार ऐसे उपायों पर जोर दे रही है, जिनसे पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हो और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़े। इलेक्ट्रिक वाहन को मुख्यमंत्री के काफिले में शामिल करना इसी दिशा में एक प्रतीकात्मक और व्यावहारिक कदम माना जा रहा है।

500 किमी रेंज समेत कई आधुनिक सुविधाएं

मुख्यमंत्री के काफिले में पहली बार इलेक्ट्रिक कार को शामिल किया जा रहा है। इसे सरकारी व्यवस्था में ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। महिंद्रा XEV 9e एक बार चार्ज होने पर 500 किमी से अधिक की दूरी तय कर सकती है। यह महिंद्रा की आधुनिक इलेक्ट्रिक कार है। इसमें सुरक्षा के आधुनिक फीचर्स के साथ ही 360 डिग्री कैमरा है।

सीएम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को लेकर गंभीर

सरकारी सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ऊर्जा संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को लेकर गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। उनका मानना है कि ईंधन की बचत, स्वदेशी विकल्पों को बढ़ावा और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार देश के दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री की यह पहल न केवल सरकारी तंत्र में हरित तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देगी, बल्कि आम लोगों को भी स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

कई बार पेश की सादगी की मिसाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव दौरे के दौरान मितव्ययता का लगातार ध्यान रख रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इंदौर में एचआर ग्रीन से राजवाड़ा तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ टेम्पो ट्रेवलर बस में सफर किया। उससे पहले सिंगरौली दौरे के दौरान वे टूरिस्ट बस में बैठकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे। बता दें, पहले सीएम डॉ. यादव के काफिले में गाड़ियों की संख्या को भी घटाकर कम कर दिया गया है।

दवा बाजार से छावनी का रास्ता 3 महीने के लिए बंद

आसपास की सड़कों पर लगा ट्रैफिक जाम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम और प्रशासनिक अधिकारियों की गलतियों का खामियाजा एक बार फिर शहर की आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। जिंसी क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्य के कारण पहले से ही यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी थी, और अब दवा बाजार से लेकर छावनी तक के मुख्य मार्ग को भी आगामी अगस्त महीने तक के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इस व्यस्त मार्ग के बंद होने से शहर की यातायात व्यवस्था का पूरी तरह से सत्यानाश होना तय माना जा रहा है। सबसे बड़ी लापरवाही यह है कि वाहन चालकों को जिन वैकल्पिक मार्गों से गुजरने की सलाह दी गई है, उनकी मरम्मत या सुदृढ़ीकरण की कोई सुध नहीं ली गई है। इसके परिणामस्वरूप

आस-पास की तंग गलियों और अन्य मुख्य मार्गों पर वाहनों का भारी जमघट लगने लगा है, जिससे राहगीर घंटों जाम में फंसने को मजबूर हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि प्रशासनिक स्तर पर अगर थोड़ी भी सूझबूझ दिखाई जाती तो जनता को इस भारी परेशानी से बचाया जा सकता था। रोड सेफ्टी एक्सपर्ट राजेश शर्मा कहते हैं कि छावनी मार्ग के 60 फीट चौड़ीकरण के कार्य को देखते हुए यदि नगर निगम प्रबंधन चाहता, तो आधी सड़क पर निर्माण कार्य चालू रखकर शेष आधी सड़क को यातायात के सुचारू संचालन के लिए खुला रखा जा सकता था। ऐसा करने से वाहन चालकों को पहले की तरह कम से कम 30 फीट का मार्ग आसानी से मिल जाता। इससे न तो मुख्य मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ता और न ही आस-पास की रिहायशी गलियों में ट्रैफिक का दम घुटता। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण अब पूरे इलाके के व्यापारियों और नागरिकों को लंबे समय तक इस गंभीर समस्या से जूझना पड़ेगा।

सड़क निर्माण की जमीनी हकीकत और कार्ययोजना को लेकर पिछले दिनों निगम आयुक्त क्षितिज सिंगल और अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की थी। इस बैठक में तय किया गया कि 7 मीटर चौड़ाई और 200 मीटर लंबाई के हिस्से में सड़क निर्माण का कार्य सात दिनों की रिकॉर्ड अवधि में पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि इस अवधि में केवल मूल ढांचा ही तैयार हो पाएगा, जबकि फिनिशिंग का काम बाद में लंबे समय तक खिंचेगा।

कलेक्टर-निगम कमिश्नर ने देखा तालाबों का काम : बोले-

जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य जल स्रोतों का करना है संरक्षण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने बुधवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भोरासला तालाब और टिगरिया बादशाह तालाब पर किए जा रहे विकास और संरक्षण कामों को देखा।

उन्होंने मौके पर तालाबों के गहरीकरण, साफ-सफाई, जल संरक्षण और सौंदर्यीकरण संबंधी कामों की प्रोग्रेस देखी और संबंधित अधिकारियों को कामों को समय सीमा में क्वालिटी के साथ पूरा करने के लिए बोला। कलेक्टर व निगम कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण, भूजल स्तर में बढ़ोतरी और बारिश के पानी का अधिकतम संचयन को सुनिश्चित करना है। इसके लिए शहर और ग्रामीण इलाकों में स्थित जल संरचनाओं के पुनर्जीवन और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। तालाबों के कामों को देखने के बाद नगर निगम कमिश्नर ने शहर में संचालित स्वच्छता और विकास कामों को भी देखा। इस दौरान

विभिन्न इलाकों में साफ-सफाई व्यवस्था, ट्रैफिक मैनेजमेंट, निर्माणाधीन कामों और लोगों की सुविधाओं का जायजा लिया। निगम कमिश्नर ने नंदलालपुरा स्थित नई सब्जीमंडी और फ्रूट मंडी मार्केट को देखा। इस दौरान उन्होंने बाजार परिसर में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, साफ-सफाई व्यवस्था, पार्किंग, यातायात संचालन और व्यापारियों-लोगों की सुविधा के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा की। निगम कमिश्नर ने अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाओं को ओर ज्यादा सुदृढ़ करने के लिए कहा, ताकि जनता और व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सके।

निगम कमिश्नर ने आगामी ब्रिक्स सम्मेलन के संबंध में रूट पर किए कामों को भी देखा। निगम अधिकारियों के साथ मल्हारगंज, सांवेर रोड, रेडिसन चौराहा, स्कीम नंबर 78, रिंग रोड, बायपास, लवकुश चौराहा, स्टार चौराहा सहित विभिन्न प्रमुख रास्तों और चौराहों का दौरा किया। उन्होंने रोड व्यवस्था, स्वच्छता, हरियाली, यातायात सुगमता और सौंदर्यीकरण कामों की समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए। अधिकारियों को सार्वजनिक जगहों की रोजाना मॉनिटरिंग और रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 5 आरोपियों को किया गया जिलाबदर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 5 आरोपियों को गत दिवस जिलाबदर किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार जिन आरोपियों को जिलाबदर किया गया है उनमें इंदौर जिले के महू थाना क्षेत्र के नम्बर बाथरी निवासी राजा पिता सुरेश पिवाल तथा रवि पिता सुरेश पिवाल, होली चौक गुजरखेड़ा निवासी निखिल पिता संतोष दामोदर, गुजरखेड़ा निवासी सौरभ पिता राम चौहान और मानपुर थाना क्षेत्र के सोनारिया कुंआ निवासी बाबू उर्फ राजकुमार पिता घनश्याम गावड़ शामिल है। इन्हें छः-छः माह के लिये जिलाबदर किया गया है। उक्त सभी अपराधियों के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में अनेक प्रकरण दर्ज है। उक्त पाँचों आरोपियों को इंदौर जिले सहित इससे लगे हुए सीमावर्ती जिले उज्जैन, देवास, धार, खरगोन एवं खंड़वा की राजस्व सीमाओं से निष्कासित किये गये है।

भाजपा पार्षद की कार से टक्कर से किशोर घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भाजपा पार्षद के बेटे पर एक नाबालिग युवक को कार से टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगा है। पीड़ित परिवार ने मामले को दबाने के लिए राजनीतिक प्रभाव इस्तेमाल करने और पुलिस द्वारा समय पर कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगाए हैं। घटना जूनी इंदौर थाना क्षेत्र के खातीवाला टैंक इलाके की बताई जा रही है।

परिजनों के मुताबिक 1 जून को दोपहर करीब 3:30 बजे वार्ड क्रमांक-65 के भाजपा पार्षद की कार क्रमांक एमपी-13एएच-0414 ने कृष्णा यवत रामानी नामक नाबालिग युवक

को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि कार पार्षद के बेटे द्वारा चलाई जा रही थी। घायल युवक को उपचार के लिए एवीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके पैर में तीन रॉड डालनी पड़ीं। परिवार का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को नहीं दी और जल्दबाजी में युवक को डिस्चार्ज कर दिया गया। पीड़ित परिवार ने बताया कि युवक के पिता का पहले ही निधन हो चुका है, जबकि उसकी मां पैरालिसिस से पीड़ित हैं और लंबे समय से बिस्तर पर हैं। ऐसे में परिवार आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से परेशान है। परिवार का यह भी दावा है कि मामले से जुड़ी कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आई हैं। इनमें पहले यह कहा गया कि घटना के समय आरोपी वाहन में मौजूद नहीं था, जबकि बाद में समझौते के लिए आर्थिक मदद की बात कही गई। हालांकि इन ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। परिजनों का आरोप है कि जब वे शिकायत लेकर जूनी इंदौर थाने पहुंचे तो पुलिस ने यह कहते हुए वापस भेज दिया कि घायल युवक या किसी प्रत्यक्षदर्शी को साथ लेकर आएं। परिवार का कहना है कि उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई और केवल रजिस्टर में एंट्री कर उन्हें लौटा दिया गया। टीआई अनिल गुप्ता का कहना है इस मामले में उनके संज्ञान में अभी कुछ नही आया और अस्पताल प्रशासन ने भी जानकारी नही दी है। जो भी करवाई सुनिश्चित होगी कि जाएगी।

आबकारी इंदौर की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई

अवैध मदिरा के दो आरोपी गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में, कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी तथा डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार प्रभावी अभियान संचालित किया जा रहा है। उड़नदस्ता प्रभारी कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में अवैध मदिरा के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रथम कार्रवाई 1 जून को वृत्त आंतरिक क्षेत्र क्रमांक-01 के उप निरीक्षक आशीष कुमार जैन द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर सिंधी कॉलोनी क्षेत्र में की गई। कार्रवाई के दौरान मोबिन उर्फ हनी पिता नफीस खान, निवासी अहिल्या पलटन, सदर बाजार, इंदौर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 100 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं परिवहन में

प्रयुक्त बिना नंबर का टीवीएस जुपिटर स्कूटर जब्त किया गया। जब्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1.25 लाख रुपये है।

इसी क्रम में 3 जून को कनाडिया बाईपास क्षेत्र में की गई कार्रवाई में गोविंद पिता मोहन वैरागी, निवासी देवास को अवैध मदिरा के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 2 पेटी रॉयल चैलेंज मदिरा तथा परिवहन में प्रयुक्त टीवीएस रेडियन मोटरसाइकिल जब्त की गई। जब्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 80 हजार रुपये है।

दोनों आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उक्त दोनों कार्रवाइयों में आरक्षक मुकेश रावत, शुभम गोंड, विपुल खरे एवं वीरेन्द्र पटेल का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा। आबकारी विभाग इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी है तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

मेट्रो के अंडरग्राउंट रूट के लिए एयरपोर्ट एरिया में ब्लास्टिंग, पथरीली जमीन से खुदाई में मुश्किल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में मेट्रो ट्रेन के अंडरग्राउंड हिस्से का काम फिलहाल एयरपोर्ट के समीप चल रहा है। यहां मेट्रो स्टेशन भूमिगत होगा और करीब डेढ़ किलोमीटर आगे जाकर ट्रैक एलिवेटेड हिस्से से जुड़ेगा। लगभग आठ माह पहले इस हिस्से में मेट्रो के लिए खुदाई शुरू की गई थी, लेकिन 20 फीट की खुदाई के बाद चट्टानें मिलने के कारण अब नियंत्रित ब्लास्टिंग के जरिए खुदाई की जा रही है। बीते दो दिनों से पूरे इलाके में विस्फोटों की गूंज सुनाई दे रही है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की टीम नियंत्रित ब्लास्टिंग के माध्यम से चट्टानों को तोड़कर आगे का काम कर रही है। माना जा रहा है कि सिंहस्थ से पहले

एयरपोर्ट क्षेत्र में अंडरग्राउंड मेट्रो के हिस्से का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

इंदौर में कुल 10 किलोमीटर लंबे अंडरग्राउंड ट्रैक का निर्माण होना है। फिलहाल 20 किलोमीटर लंबे मेट्रो ट्रैक का निर्माण पूरा हो चुका है और उस पर संचालन कभी भी शुरू किया जा सकता है, लेकिन अभी तक इसकी अंतिम मंजूरी नहीं मिल पाई है। खजराना से एयरपोर्ट रोड तक 10 किलोमीटर लंबे अंडरग्राउंड ट्रैक का निर्माण प्रस्तावित है, हालांकि इस हिस्से में अभी तक व्यापक स्तर पर काम शुरू नहीं हो पाया है। इस रूट में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के हस्तक्षेप के बाद बदलाव किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप लगभग दो किलोमीटर अतिरिक्त अंडरग्राउंड मेट्रो रूट जोड़ा गया। इससे परियोजना की लागत में करीब 2,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

15,000 करोड़ रुपये है लागत

इंदौर मेट्रो परियोजना पर कुल लगभग 15,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वर्तमान में छह किलोमीटर लंबे हिस्से में मेट्रो का संचालन और परीक्षण कार्य जारी है। गांधी नगर मेट्रो स्टेशन से रेडिसन चौराहा तक पांच मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं। इसके अलावा विभिन्न गति स्तरों पर मेट्रो का ट्रायल रन भी कई बार सफलतापूर्वक किया जा चुका है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अभी तक किराए की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, हालांकि अधिकतम किराया लगभग 80 रुपये तक होने की संभावना जताई जा रही है।

आंधी-बारिश ने दी राहत उमस ने किया परेशान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मौसम के बदलते मिजाज के बीच इंदौर में रातें अब बेहद ठंडी हो गई हैं। साल के सबसे गर्म दिनों के रूप में पहचाने जाने वाले नौतपा की विदाई की रात ने ठंडक के मामले में बीते कई दशकों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए।

मंगलवार रात इंदौर का न्यूनतम तापमान सामान्य से बेहद नीचे गिरकर 18.6 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार यह तापमान इंदौर में जून के महीने के इतिहास में दर्ज किया गया अब तक का दूसरा सबसे कम तापमान है। इस लिहाज से कल की रात जून महीने के इतिहास की दूसरी सबसे ठंडी रात के रूप में दर्ज हो चुकी है। इस बदलाव की मुख्य वजह मंगलवार शाम से लेकर देर रात तक चली तेज हवाएं और करीब आधा इंच तक हुई झमाझम बारिश रही, जिसने वातावरण में अचानक भारी ठंडक घोल दी। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस सप्ताह शहर और आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश का यह दौर जारी रहने की पूरी संभावना है। वहीं बुधवार को दिन का पारा 38.5 पर रहा।

फर्जी बिल घोटाले में ED का शिकंजा

पूर्व इंजीनियर समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम के चर्चित फर्जी बिल घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड और निगम के पूर्व सहायक यंत्री अभय सिंह राठौर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में मोहम्मद जाकिर और राहुल वडेरा शामिल हैं। तीनों को मंगलवार को स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें तीन दिन की ईडी रिमांड पर सौंप दिया गया।

ED की जांच में अब तक करीब 92 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितताओं के दस्तावेजी प्रमाण सामने आए हैं। जांच एजेंसी का दावा है कि सरकारी धन की हेराफेरी कर अर्जित राशि से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में संपत्तियां खरीदी गईं। इसी के तहत 43 संपत्तियों को अटैच किया गया है। जांच में सामने आया है कि ड्रेनेज, सीवरेज और अन्य निर्माण कार्यों के नाम पर बड़े पैमाने पर फर्जी बिल तैयार किए गए। आरोप है कि नगर निगम के कुछ अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों ने मिलीभगत कर ऐसे कामों के भुगतान मंजूर कराए, जो या तो धरातल पर अस्तित्व में ही नहीं थे या फिर वास्तविक कार्य की तुलना में कई गुना अधिक दर्शाए गए। ED के अनुसार कई प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपएका भुगतान किया गया, लेकिन मौके पर जांच के दौरान संबंधित कार्यों का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला। एजेंसी अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। ED की कार्रवाई के बाद नगर निगम के /यह चर्चित घोटाले में फिर चर्चाओं में है। जांच एजेंसी को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान पूछताछ से रुपयों के लेन-देन, संपत्तियों की खरीद और नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है।

पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए कब्र से निकाला दो साल की बच्ची का शव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। पुलिस ने दो साल की एक बच्ची के शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम कराया है। उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद वह एक अस्पताल में भर्ती हुई थी और उसकी मौत हो गई थी। शव को दफनाने के बाद माता-पिता ने थाने में जाकर डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और शव को कब्र से निकाला। अब

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा होगा कि आखिर किस वजह से मासूम की मौत हुई।पुलिस के अनुसार, काश्वी यादव को उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद परिजनों ने 27 मई को भंवरकुआं क्षेत्र के हेल्थ केयर सेंटर में भर्ती कराया था, लेकिन उसकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ और अस्पताल ने उसे डिस्चार्ज कर दिया। इसके बाद परिजन उसे एक दूसरे निजी अस्पताल में ले गए, लेकिन वहां से उसे एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। 29 मई को परिजनों ने बच्ची के शव को बच्चों के मुक्तिधाम में दफना दिया और रात को फिर थाने पहुंचकर शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि हेल्थ केयर अस्पताल ने बच्ची के इलाज में लापरवाही बरती है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की और मजिस्ट्रेट से बच्ची का शव निकलवाने की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया।पांच डॉक्टरों की टीम ने बच्ची के शव का पोस्टमार्टम किया। बुधवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस की जांच आगे बढ़ेगी।

इंदौर की आदर्श जीरो वेस्ट कॉलोनी परमाणु नगर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम इंदौर द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। स्वच्छता इंदौर की पहचान है और शहरवासी इसे अपनी जिम्मेदारी मानकर निभाते हैं।

इसी क्रम में शहर की परमाणु नगर कॉलोनी ने स्वच्छता, संसाधन संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन का ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो पूरे इंदौर के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया है।

इंदौर की परमाणु नगर कॉलोनी वर्तमान में एक सफल 'जीरो वेस्ट कॉलोनी' के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुकी है। यहां उत्पन्न होने वाले अधिकांश कचरे का निस्तारण कॉलोनी परिसर में ही किया जाता है। रहवासी कचरा पृथक्करण को गंभीरता से अपनाते हैं और जैविक खाद निर्माण, सौर ऊर्जा उपयोग, वर्षा जल संचयन एवं हरित क्षेत्र संरक्षण जैसे अनेक पर्यावरण-अनुकूल उपायों को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना चुके हैं।

कॉलोनी में कुल 68 परिवार निवासरत हैं। यहां 100 प्रतिशत घरों में वर्षा जल रिचार्जिंग सिस्टम लगा है और लगभग 90 प्रतिशत घरों में पानी गर्म करने के लिए सोलर वाटर हीटर का उपयोग किया जाता है। परमाणु नगर की सफलता का आधार घर-घर में किया जाने वाला वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन है। जहां अधिकांश स्थानों पर गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण ही बड़ी उपलब्धि माना जाता है, वहीं इस कॉलोनी के निवासी घरेलू कचरे को छह अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित करते हैं।

पत्नी की पीट-पीटकर हत्या

चौकीदारी करने वाले पति को पुलिस ने हिरासत में

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। खुड़ैल थाना क्षेत्र की कम्पेल चौकी अंतर्गत ग्राम उज्जैनी में बुधवार को एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। फार्म हाउस पर चौकीदारी करने वाले एक युवक ने कथित रूप से अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी राहुल बर्मन (32) पुत्र राजेश बर्मन, मूल निवासी ग्राम बीरसिंहपुर थाना पाली जिला उमरिया का रहने वाला है। वह वर्तमान में ग्राम उज्जैनी स्थित आसिफ रंगरेज के फार्म हाउस पर चौकीदारी का काम करता था। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात किसी बात को लेकर राहुल और उसकी पत्नी सुमन बर्मन (26) के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर राहुल ने सुमन के साथ जमकर मारपीट की। गंभीर चोट लगने के कारण सुमन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कम्पेल चौकी और खुड़ैल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी उमाकांत चौधरी और एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है। पुलिस ने आरोपी राहुल बर्मन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद को हत्या की वजह माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में इंडिया@2047 कॉन्क्लेव में हुए शामिल

प्रदेश में शीघ्र ही लागू होगा समान नागरिक संहिता कानून

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश में एक निशान, एक विधान और एक कानून लागू हो, इस राष्ट्रीय भावना में कुछ भी गलत नहीं है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को देश के 3 राज्यों ने पहले ही लागू कर दिया है। हमारी सरकार भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। शीघ्र ही मध्यप्रदेश भी देश का यूसीसी लागू करने वाला राज्य बन जाएगा। इसके लिए हमने उच्चतम न्यायालय की रिटायर्ड जज न्यायमूर्ति श्रीमती रंजना देसाई की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीति गठित कर दी है। यह समिति जिला स्तर पर सभी वर्गों से उनकी राय ले रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जनजातीय समुदाय को यूसीसी से पृथक रखा जाएगा। उन्हें अपने पारम्परिक रीति-रिवाज मानने की स्वतंत्रता होगी। गुजरात में भी इसी प्रकार

का प्रावधान लागू किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया@2047 कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति योग्य है, तो सरकार जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर कार्य करती है। आज जनजातीय वर्ग से आने वाली श्रीमती द्रोपदी मुर्मु देश के राष्ट्रपति पद की शोभा बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम मध्यप्रदेश में यूसीसी लागू करने के लिए खुले विचार और खुले हृदय के साथ काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में अव्वल राज्य बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ईंधन की चुनौती के दौर में प्रधानमंत्री डॉ. नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हमारी सरकार ने पर्यावरण और ईंधन को बचाने के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) खरीदा है। अब वे ईवी से ही यात्रा करेंगे। यह पर्यावरण अनुकूल वाहन (ईवी) ईंधन के संरक्षण के साथ-साथ वायु प्रदूषण को भी रोकने में कारगर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। ग्रामीण आबादी को दूध उत्पादन, पशुपालन और आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए प्रयास किए गए हैं। गांव-गांव तक बिजली, पानी और सड़कों का विकास हुआ है। पिछले साल सरकार ने औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए काम किया। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए का निवेश आया है। प्रदेश के इंडस्ट्रियल पार्कों में यूनिट्स खुल गईं और लोगों को रोजगार के अवसर मिलने लगे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस -2025) में 30 लाख करोड़ रुपए के एमओयू साइन हुए थे। इसमें से अब तक करीब 30 प्रतिशत निवेश धरातल पर नजर आ रहा है। यह राज्य सरकार का बड़ी सफलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विकास में शिक्षा का विशेष महत्व है। मध्यप्रदेश की स्थापना से लेकर 2002-03 तक मेडिकल कॉलेजों की संख्या केवल 5 थी। अब इनकी संख्या बढ़कर 30 हो गई है। इनमें से 7 नए मेडिकल कॉलेज तो हमने पिछले 2 साल के दौरान ही प्रारंभ किए हैं। प्रदेश में 3 नए शासकीय विश्वविद्यालय खरगोन में टंट्या मामा, गुना में तात्या टोपे और सागर में रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर शुरू किए गए हैं। सभी 55 जिलों में नए पीएम एक्सीलेंस कॉलेज भी संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में अब कृषि संकाय की भी पढ़ाई कराई जा रही है। प्रदेश में नए-नए सांदीपनि विद्यालय तेजी से खोले जा रहे हैं।

प्रदेश के शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास के लिए हम तेजी से काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार बहनों के कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही है। प्रदेश की सभी पात्र लाड़ली बहनों को प्रोत्साहन राशि की अब तक 36 किश्तें दी जा चुकी हैं। इस योजना की शुरुआत से अब तक करीब 55 हजार करोड़ से अधिक की आर्थिक सहायता लाड़ली बहनों को हम दे चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत @2047 के राष्ट्रीय संकल्प को पूरा करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ विकसित मध्यप्रदेश @2047 के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रही है।

पेड़ गिरने से एक की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश में ओले-बारिश और आंधी के चलते लू का असर पूरी तरह खत्म हो गया है। बुधवार को श्योपुर में आंधी और बारिश के बीच बस स्टैंड इलाके में 3 बाइक सवारों पर पेड़ गिर गया। इनमें से एक की मौत हो गई जबकि 2 लोग घायल हैं। बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया। वहीं रात करीब 8 बजे भोपाल के म.प्र. नगर, एआईआईएमएस, होशंगाबाद रोड और अरेरा हिल्स समेत कई इलाकों में तेज बारिश हुई। रायसेन जिले की सिलवानी तहसील में शाम करीब सवा 6 बजे आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। सड़कों पर पानी भर गया और लोगों को हेडलाइट जलाकर वाहन चलाने पड़े।

जेल में गिरिबाला-समर्थ ने कढ़ी खाकर गुजारी पहली रात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। राजधानी भोपाल के चर्चित त्विषा शर्मा संदिग्ध मौत मामले में दहेज हत्या के आरोप में केंद्रीय जेल में बंद त्विषा की सास, सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा पूर्व जिला उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष गिरिबाला सिंह और उनके पुत्र अधिवक्ता समर्थ सिंह की पहली रात जेल में आम विचाराधीन बंदियों की तरह बीती। दोनों को जेल नियमों के तहत सामान्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं और किसी प्रकार की विशेष व्यवस्था नहीं की गई। जेल सूत्रों के अनुसार, प्रवेश के बाद दोनों को रात के भोजन में पकौड़े वाली कढ़ी, रोटी और सब्जी दी गई। जेल प्रशासन ने नियमानुसार उन्हें थाली, कटोरी और गिलास उपलब्ध कराया। बुधवार सुबह चाय के साथ नाश्ते

में नमकीन दलिया परोसा गया। दोपहर के भोजन में करेला की सब्जी, चने की दाल, रोटी और चावल दिए गए। जेल अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल दोनों को किसी विशेष वार्ड में नहीं भेजा गया है और वे अन्य विचाराधीन बंदियों की तरह सामान्य प्रक्रिया के तहत रह रहे हैं।

बाइक सवारों को रौंदा, 3 की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

मंडला, एजेंसी। महाराजपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। पिंडरई रोड पर नादिया के पास अज्ञात भारी वाहन ने बाइक सवार युवकों को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में उमेश सिंगौर (42) पिता चिरौंजी लाल सिंगौर निवासी ग्राम नादिया, भुवन सिंगौर (36) पिता मनीलाल सिंगौर निवासी ग्राम नादिया और मुन्ना भांवरें (50) पिता मंगल भांवरें निवासी पेटेगांव के रहने वाले थे।

खनिज वाहनों में लगेंगे जीपीएस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भिंड, एजेंसी। चंबल क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। परिवहन कमिश्नर उमेश जोगा ने भिंड में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध रेत परिवहन में संलिप्त वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि खनिज परिवहन से जुड़े वाहनों की सघन जांच कर आवश्यकतानुसार उनमें जीपीएस प्रणाली भी स्थापित कराई जाएगी, ताकि उनकी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा सके।

एंबुलेंस और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम पहुंची मौके पर

महिला ने सार्वजनिक शौचालय में दे दिया बच्चे को जन्म

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भीकनगांव बस स्टैंड स्थित एक सार्वजनिक शौचालय में बुधवार सुबह एक गर्भवती महिला ने बच्चे को जन्म दिया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला और नवजात को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। भीकनगांव के बीएमओ विजय वर्मा ने बताया कि बुधवार सुबह सूचना मिली थी कि बस स्टैंड के सार्वजनिक शौचालय में एक महिला की डिलीवरी हो गई है।

सूचना मिलते ही एंबुलेंस और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम को मौके पर भेजा गया। महिला की पहचान झिरनिया ब्लाक के तेड़ गांव निवासी अनीता के रूप में हुई है। यह उसकी दूसरी डिलीवरी है। वर्मा के अनुसार अनीता को

उसके पति अमर सिंह ने मंगलवार को जिला अस्पताल खरगोन में भर्ती कराया था। बाद में वे किसी कारणवश घर लौटने लगे। इसी दौरान भीकनगांव पहुंचने पर महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और उसने बस स्टैंड के सार्वजनिक शौचालय में बच्चे को जन्म दे दिया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची स्वास्थ्य टीम ने महिला और नवजात को प्राथमिक उपचार दिया और एंबुलेंस से लगभग 40 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल खरगोन भेजा। महिला ने 1.8 किलोग्राम वजन के बालक को जन्म दिया है। भीकनगांव के शासकीय अस्पताल में नर्सिंग आफिसर व मैटरनिटी इंचार्ज ज्योति पिंडरे ने बताया कि ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के निर्देश पर स्वास्थ्य दल मौके पर पहुंचा और आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी करने के बाद जच्चा-बच्चा को अस्पताल लाया गया।

संपादकीय

सैन्य आधुनिकीकरण: स्वदेशी ड्रोन से मजबूत होंगे सेना के पंख

भारतीय सशस्त्र सेना बदले जमाने के मुताबिक खुद को ढालने में जुटी हुई है। इसी के तहत भारत सरकार अपनी मिलिट्री के लिए अबतक की सबसे बड़ी स्वदेशी ड्रोन खरीदारी की प्रक्रिया में जुटी है। यह सारे ड्रोन भारतीय कंपनियों से खरीदे जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही रक्षा मंत्रालय सेनाओं में ड्रोन टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर बहुत ज्यादा फोकस कर रहा है और ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध और रूस-यूक्रेन युद्ध से भी इसकी अहमियत का पता चल चुका है। भारत सरकार इस साल घरेलू कंपनियों से करीब 2 बिलियन डॉलर (लगभग 20,000 करोड़) की ड्रोन खरीदारी के ऑर्डर देने की प्रक्रिया में जुटी है। भारतीय सशस्त्र सेनाओं को किसी भी समय ऑपरेशन के लिए तैयार रखने और मिलिट्री के आधुनिकीकरण के लिए देश का यह अबतक का सबसे विशाल ड्रोन सौदा होगा। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस खरीदारी के लिए फास्ट-ट्रैक खरीदारी प्रक्रिया अपनाई जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सशस्त्र सेनाओं के लिए अनमैन्ड एरियल व्हीकल (UAV) सिस्टम की खरीदारी की यह प्रक्रिया 18 से लेकर 24 महीने के भीतर पूरी होने की उम्मीद है। हाल ही में करीब 3,000 करोड़ की टैक्टिकल-क्लास ड्रोन की खरीदारी के मुकाबले यह बहुत बड़ी डील होने जा रही है। संभावना है कि भारतीय कंपनियां सशस्त्र सेनाओं को इसी साल ड्रोनों की डिलीवरी शुरू कर देंगी। ऑपरेशन सिंदूर हो या रूस-यूक्रेन युद्ध या फिर पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिकी और इजरायल के बीच चल रहा मौजूदा सैन्य संघर्ष, मॉडर्न वॉरफेयर में मानवरहित सिस्टम का इस्तेमाल बहुत बढ़ चुका है और इसने अपना रोल बखूबी साबित भी किया है। सर्विलांस से लेकर सटीक हमलों और युद्ध क्षेत्र में इंटेलिजेंस जुटाने तक में ड्रोन बहुत बड़ी भूमिका निभाने लगा है। यही नहीं, ड्रोन युद्ध भूमि में लॉजिस्टिक के लिए भी बड़े काम आ रहे हैं और इसने खर्च को भी घटाने का काम शुरू कर दिया है। यह इस वजह से संभव हुआ है, क्योंकि टेक्नोलॉजी में दक्षता आने के साथ-साथ अत्याधुनिक से अत्याधुनिक ड्रोन सिस्टम की उपलब्धता को बहुत ही आसान कर दिया है। युद्ध में सेनाएं आक्रमण की भूमिका निभा रही हों या सुरक्षात्मक रणनीति पर काम कर रही हो, दोनों ही स्थिति में ड्रोन बहुत ही सस्ता, सुगम और सटीक हथियार बन चुके हैं। साथ ही साथ ड्रोन पर निर्भरता बढ़ने से युद्ध भूमि में इंसान के नुकसान की आशंका तेजी से कम होने लगी है। आत्मनिर्भरता,स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंक पर फोकस से बदली स्थिति भारत सरकार रक्षा क्षेत्र में लगातार आत्मनिर्भरता और स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंक पर फोकस कर रही है। भारत में अब 600 से ज्यादा कंपनियां हैं, जो ड्रोन और इससे जुड़े उपकरण बना रही हैं। इनमें रक्षा कंपनियां और स्टार्टअप्स भी हैं। सरकार ने ऐसे सुधार किए हैं, जिससे ड्रोन निर्माण क्षेत्र में इनोवेशन और प्रोडक्शन को मदद मिले और यह क्षेत्र ज्यादा से ज्यादा निवेश भी आकर्षित कर सके। अच्छी बात ये है कि अपनी मिलिट्री के लिए ही इसकी डिमांड में नीति बदलने से बहुत ज्यादा बढ़ोतरी हो चुकी है।

धर्म-कर्म

गायत्री मंत्र का सही अर्थ और मंत्र जप नियम जानें क्यों सूर्योदय से पहले जप करना शुभ

गायत्री मंत्र (‘ऊं भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्।।’) को बहुत ही शक्तिशाली और प्रभावशाली मंत्र माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंत्र व्यक्ति को ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जोड़ता है। मान्यता है कि गायत्री मंत्र का उच्चारण करने से व्यक्ति को मानसिक शांति मिलती है। ऐसा कहा जाता है कि गायत्री मंत्र का पाठ करने पर लाभ प्राप्त होता है साथ ही दरिद्रता भी दूर होती है। ऐसा कहा जाता है कि गायत्री मंत्र का पाठ करने के लिए कुछ नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं गायत्री मंत्र का अर्थ और मंत्र जप के नियम।

जानिए गायत्री मंत्र का अर्थ और नियम

इस मंत्र का अर्थ है सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के तेज का हम ध्यान करते हैं, परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सदमार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस मंत्र का जप करने के लिए कुछ विशेष नियमों का पालन करना चाहिए। गायत्री मंत्र अमूमन हम किसी भी समय करने लगते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं गायत्री मंत्र करना का भी सही समय है। गायत्रा मंत्र का जप सूर्योदय से पहले या फिर सूर्यास्त के बाद ही करना उत्तम माना गया है।

1. अगर आप सूर्यास्त से पहले मंत्र जप करना चाहते हैं तो कुछ बातों का विशेष ख्याल रखें। सूर्यास्त से पहले गायत्री मंत्र जप मौन रहकर ही करें।
2. गायत्री मंत्र का जप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का ही प्रयोग करें। इस बात का ख्याल रखें कि मंत्र जप की संख्या कम से कम 108 ही होना चाहिए।
3. मंत्र जप के लिए एक शांत स्थान पर जाकर बैठें और गायत्री माता का ध्यान करने के बाद ही जप का आरंभ करें।
4. गायत्री मंत्र जप के कई फायदे बताए गए हैं। जो भी व्यक्ति गायत्री मंत्र का जप करता है उसके जीवन में उत्साह और सकारात्मकता बनी रहती है।
5. इस बात का ख्याल रखें कि गायत्री मंत्र का जप करते समय अपने मन को सकारात्मक रखें क्योंकि, ऐसा कहा जाता है कि जिस संकल्प के साथ आप गायत्री मंत्र को सिद्ध करते हैं वैसा ही फल मिलता है।

क्या ऐसे ही कर सकते हैं गायत्री मंत्र

1. गायत्री मंत्र बहुत ही प्राचीन और ताकतवर है। इसका जप आमतौर पर ऐसे ही नहीं किया जा सकता है। इसके लिए गुरु से दीक्षा लें। गुरु द्वारा बताए गए समय और तरीके से ही इसका जप करें। उनके बताए गए समय और तरीके से ही इसे किया जाता है।
2. गायत्री मंत्र का जप आप ऐसी ही नहीं कर सकते हैं बल्कि इसके लिए आपका स्वच्छ होना बेहद जरूरी है।
3. माना जाता है कि गायत्री मंत्र बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होता है। शिक्षा में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। इस मंत्र का नियमित और सही तरीके से जप करने से व्यक्ति सफलता की सीढ़ी चढ़ सकता है। यह मंत्र जप व्यक्ति को बेहतर निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करता है।

जून में परमा और निर्जला एकादशी का व्रत, जानें तारीख और महत्व

जून के महीने में परमा और निर्जला एकादशी का व्रत किया जाएगा। एक अधिक मास की एकादशी होगी और दूसरी ज्येष्ठ मास की एकादशी होगी। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति एकादशी का व्रत करता है उससे अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। साथ ही माता लक्ष्मी की कृपा से इस जीवन में व्यक्ति को सुख समृद्धि भी प्राप्त होती है। जून में आने वाली परमा एकादशी मलमास की आखिरी एकादशी है यह तीन वर्ष में एक बार आती है। वहीं, ज्येष्ठ मास में निर्जला एकादशी वैसे तो हर साल आती है लेकिन, इस एकादशी का अधिक महत्व माना गया है। क्योंकि, यह सिर्फ एक ऐसी एकादशी है जिसका व्रत भीम ने रखा था। आइए जानते हैं परमा एकादशी और निर्जला एकादशी का व्रत की तारीख और महत्व।

परमा एकादशी 2026 कब है ?

पंचांग की गणना के अनुसार, एकादशी तिथि का आरंभ 10 जून बुधवार को मध्यरात्रि 12 बजकर 58 मिनट पर होगा। परमा एकादशी तिथि का समापन 11 जून को रात में 10 बजकर 37 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, परमा एकादशी तिथि का व्रत 11 जून को रखा जाएगा। वहीं, परमा एकादशी के व्रत का पारण अगले दिन 12 जून को होगा।

निर्जला एकादशी 2026 कब है ?

पंचांग की गणना बता रही है कि निर्जला एकादशी तिथि का आरंभ 24 जून को शाम में 6 बजकर 13 मिनट पर होगा। निर्जला एकादशी तिथि का समापन 25 जून गुरुवार को शाम में 8 बजकर 10 मिनट पर होगा। उदया तिथि के हिसाब से 25 जून को ही निर्जला एकादशी का व्रत करना उत्तम फलदायी रहेगा।

जून 2026 में एकादशी कब-कब है ?

परमा एकादशी तिथि का आरंभ	10 जून 12 बजकर 58 मिनट पर
परमा एकादशी तिथि का समापन	11 जून 10 बजकर 37 मिनट पर
निर्जला एकादशी तिथि का आरंभ	24 जून को शाम में 6 बजकर 13 मिनट पर
निर्जला एकादशी तिथि का समापन	25 जून गुरुवार को शाम में 8 बजकर 10 मिनट पर

परमा एकादशी का क्या है महत्व

बता दें कि साल में कुल 24 एकादशी होती हैं। हर महीने दो एकादशी आती हैं एक शुक्ल पक्ष की और दूसरी कृष्ण पक्ष की लेकिन, अधिक मास आने एकादशी की संख्या 24 की जगह 26 होती है। इन्हीं दो एकादशी में से एक परमा एकादशी है। विष्णु पुराण में परमा एकादशी का विशेष महत्व बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से 100 यज्ञों करने के बराबर फल प्राप्त होता है।

निर्जला एकादशी व्रत का महत्व

निर्जला एकादशी का विशेष महत्व माना गया है। कहा जाता है कि भीम ने अपने पूरे जीवन काल में सिर्फ एक ही एकादशी का व्रत किया था। जिस वजह से इस एकादशी का नाम भीमसेन एकादशी भी कहा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि सिर्फ इस एक एकादशी का व्रत करने वालों को 24 एकादशियों के व्रत का पूरा पुण्य प्राप्त हो जाता है।

New Delhi

भारत समेत दुनियाभर में 3 महीने तक सूखे की आशंका

नई दिल्ली। इस साल में भारत समेत दुनियाभर में सूखे की आशंका है। भारतीय मौसम विभाग के बाद विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने मंगलवार देर रात वैश्विक जलवायु को लेकर चेतावनी जारी की है।

संयुक्त राष्ट्र (UN) की इस मौसम एजेंसी के मुताबिक, प्रशांत महासागर में तेजी से गर्म हो रहे समुद्री जल के कारण जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80% है। नवंबर तक इसके 90% या उससे ज्यादा बने रहने की आशंका है।

इन सबके बावजूद भारत में 2 एक्टिव सिस्टम यानी इंडियन ओशन डायपोल (IOD) और मैडेन-जूलियन ऑस्सिलेशन (MJO) से मानसून बच सकता है। ये बादलों और हवाओं का एक ऐसा वैश्विक सिस्टम है तो मूमध्य रेखा पर घूमता रहता है। जब यह भारत के ऊपर से गुजरता है, तो कमजोर मानसून में भी भारी बारिश के स्पेल (दौर) लेकर आता है। मौसम विभाग के मुताबिक देश में मानसून के दौरान सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी लेट है। इसके 4 जून को केरलम पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है।

P. Bangal

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

कोलकाता, (एजेंसी) ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (TMC) में 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर टूट सामने आई है। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया।

इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है। जावेद खान, संदीपन साहा और सिउली साहा को उपनेता जबकि अखरुज्जमान को चीफ व्हिप बनाया गया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी विधानसभा स्पीकर और ममता बनर्जी का कोई बयान नहीं आया है। ममता के पास अब 22 विधायकों का समर्थन है। TMC ने 294 सीटों में से 80 सीटें जीती थीं। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब नेता विपक्ष चुनने के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप लगाने के बाद ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से बाहर कर दिया गया था। इसी बीच सीनियर लीडर कुणाल घोष ने बताया कि TMC विधायक फिरहाद हकीम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है।

New Delhi

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में आए

नई दिल्ली, (एजेंसी) सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की मांगों और विचारधारा का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर मंगलवार को खुद इसकी जानकारी दी। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने तीन प्रवक्ता नियुक्त किए हैं। कॉकरोच इस बैक के ट्वीट के अनुसार पत्रकार सौरव दास मुख्य प्रवक्ता होंगे। वहीं फिल्ममेकर विजेता दहिया और IIT कानपुर और ग्लोबल मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मैकिन्से के एल्युम्नस, आशुतोष रांका प्रवक्ता होंगे। वांगचुक ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा- मैंने CJP के फाउंडर अभिजीत दिपके से बात की। उनसे बात करके मुझे लगा कि उनकी मंशा गलत नहीं है। वे एक देशप्रेमी हैं और बदलाव चाहते हैं। वांगचुक ने कहा- अभिजीत 6 जून को दिल्ली में लोगों को बुला रहे हैं। अगर 5 जून तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया तो मैं भी जंतर-मंतर पर CJP के प्रदर्शन में शामिल होऊंगा।

Rajasthan

ट्रोलिंग से परेशान इन्फ्लूएंसर ने पी लिया जहर

जोधपुर, (एजेंसी) जोधपुर में सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग से परेशान होकर महिला इन्फ्लूएंसर अनीता बिश्नोई (32) ने घर में जहर पी लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तुरंत मथुरादास माथुर (MDM) हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

घटना बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे बनाड़ थाना क्षेत्र के शिकारगढ़ स्थित गोदारों की ढाणी (बालाजी फार्म हाउस) की है। इन्फ्लूएंसर (कंटेंट क्रिएटर) अनीता ने यह कदम उठाने से करीब 5 घंटे पहले सोशल मीडिया (फेसबुक) पर एक पोस्ट भी किया था। इसमें लिखा था- "आज के बाद आपकी बहन इस दुनिया में नहीं दिखेगी।" अनीता के पति दीनाराम ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से कुछ इन्फ्लूएंसर लगातार टारगेट करके मेरी पत्नी अनीता को परेशान कर रहे थे। इसके चलते अनीता यह कदम उठाया। , अनीता ने इंस्टाग्राम और फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में अनीता ने कहा था- कपड़े हो गए छोटे तो शर्म कहां से आएगी। इस लाइन को लेकर अनीता को करीब 15 दिन से ट्रोल किया जा रहा था। उन्हें अश्लील कमेंट किए जा रहे थे।

खेल

माजा च्वालिन्स्का और डायना श्नाइडर सेमीफाइनल में, नंबर-1 सबालेंका फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस, (एजेंसी) फ्रेंच ओपन 2026 के महिला एकल वर्ग में सेमीफाइनल की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। पोलैंड की माजा च्वालिन्स्का और रूस की डायना श्नाइडर ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर पहली बार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई है। खास बात यह रही कि श्नाइडर ने दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर किया।

पोलैंड की 24 वर्षीय माजा च्वालिन्स्का ने महिला एकल क्वार्टरफाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त अन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कोर्ट फिलिप-शात्रिए पर खेले गए मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी रैलियां और कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन निर्णायक मौकों पर च्वालिन्स्का ने बेहतर खेल दिखाया। उन्होंने मिले आठ ब्रेक प्वाइंट मौकों में से सात को भुनाया, जबकि कालिंस्काया 11 मौकों में सिर्फ पांच बार ही ब्रेक हासिल कर सकीं।

च्वालिन्स्का ने मुकाबले में शुरुआती गेम गंवाने के बाद लगातार दबाव बनाया और 5-1 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि कालिंस्काया ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार गेम जीतकर स्कोर 5-5 कर दिया। इसके बाद सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, जहां च्वालिन्स्का ने 7-3 से जीत दर्ज कर बढ़त बना ली। दूसरे सेट में पोलिश खिलाड़ी ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखा और कालिंस्काया को वापसी का मौका नहीं देते हुए 6-3 से सेट जीतकर मैच समाप्त कर दिया।

रोलां गैरों में यह च्वालिन्स्का की लगातार आठवीं जीत रही। इसके साथ वह ओपन एरा में फ्रेंच ओपन महिला एकल के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली केवल दूसरी क्वालिफायर खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले 2020 में नादिया पोडोरोस्का ने यह उपलब्धि हासिल की थी। अब उनके पास ओपन एरा में फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल तक पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बनने का मौका है।

दिन के दूसरे क्वार्टरफाइनल में रूस की 25वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर ने दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 3-6, 7-5, 6-0 से हराकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रही थीं, लेकिन उन्होंने दबाव को बखूबी संभालते हुए अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

सिनेमा

आमिर खान करने वाले हैं तीसरी शादी, 61 की उम्र में गर्लफ्रेंड गौरी संग अगले महीने रचाएंगे ब्याह : रिपोर्ट

आमिर खान को लेकर चर्चा शुरू है कि वो तीसरी बार शादी रचाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। खबर है कि आमिर खान और उनकी पार्टनर गौरी स्प्रैट के साथ अपने रिश्ते को फाइनली शादी के बंधन में पिरोने जा रहे हैं। ये दोनों काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। अपने 60वें जन्मदिन पर आमिर खान ने अपनी इस नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट को दुनिया से मिलवाया था। अगर ऐसा होता है तो आमिर खान की ये तीसरी शादी होगी। कहा जा रहा है कि एक्टर इस समारोह को काफी इंटीमेट रखने वाले हैं और इस मौके पर भव्य समारोह आयोजित करने की बजाय वे एक सिंपल और निजी समारोह करने की प्लानिंग बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि इसमें केवल उन दोनों के करीबी लोग और अजीज दोस्त ही शामिल होंगे। हॉटरफ्लाई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर और गौरी की शादी का ये समारोह सादगीपूर्ण होगा, जहां कपल की प्राइवेसी का ध्यान रखा जाएगा। आमिर खान की इस शादी की खबर उनके उस बयान के बाद सामने आई है जब अपनी लव-लाइफ को लेकर उन्होंने बड़ा बयान दिया था। आमिर ने कहा था- वो बेंगलुरू में रहती हैं और मैं उनसे वहां मिलने जाता था। उन्होंने कहा था कि वहां ज्यादा मीडिया का जमावड़ा नहीं इसलिए उनका रिश्ता छिपा रहा।

Highlights

1. India becomes 2nd largest solar growth market, surpassing US
2. I was told everything works in Delhi: Fire-hit hotel owner as he shifts blame for illegal rooms
3. Massive fire erupts at Bihar hospital, many feared dead
4. Man attacks in-laws with machete in BDA flat
5. Marriage promise turns costly, woman loses ₹23.5 lakh
6. Two labourers die as wall collapses near Bengaluru
7. Scammers steal ₹3 lakh from Bengaluru resident using e-SIM swap
8. KIA wins Diamond Award at ACI Asia-Pacific Safety Awards 2026

RBI tightens rules for banks for disabling/restricting mobile devices in the event of loan default: What you should know

NEW DELHI, (Agency). On 20th May 2026, the RBI issued a draft circular amending the directions on the conduct of banks in the recovery of loans and the engagement of recovery agents. The amendments provide for enabling banks to deploy technology-based mechanisms that restrict or disable certain functionalities of a mobile device purchased through a loan. Restrictions or the disablement can be deployed to recover loan dues from a borrower in the event of a loan default. In this article, we will understand the circumstances in which a lender can deploy these mechanisms.

Taking possession of the device

If a borrower has bought an electronic device, such as a mobile phone or tablet, on a loan, and has defaulted on repayment, bank can take the possession of the device. The bank must incorporate the possession clause in the loan contract/agreement. The bank must ensure that the possession clause is legally valid and is clearly brought to the borrower's notice at the time of executing the loan agreement. The loan agreement must contain provisions regarding:

Notice period before taking possession

Circumstances under which the notice period can be waived

Procedure for taking possession of the device

Final chance to be given to the borrower for loan repayment before the device sale/auction

Procedure for giving the device possession back to the borrower

Procedure for device sale/auction

Deployment of a technology-based mechanism for loan recovery

As a recovery tool, a bank can deploy a technology-based mechanism that restricts or disables any functionalities of a borrower's electronic device. However, deployment can be done only when the borrower has purchased the device through a loan, and the bank wants to recover the loan. The bank may restrict or disable the device functionalities only when the following conditions are satisfied.

The bank has financed the device (mobile, tablet, etc.) purchase through a loan.

The loan agreement expressly and unambiguously permits such an action and the sequence of events that will follow.

When the loan becomes 60 days past due, the bank must serve a notice to the borrower. The borrower must be provided at least 21 days to cure the loan default.

After the expiry of the above notice, the bank must serve a second notice to the borrower. The borrower must be provided at least 7 days to cure the loan default.

With the loan becoming 60 days past due, first notice with 21 days, and second notice with 7 days, the borrower will get 90 days to cure the loan default. Till the loan has become 90 days past due, the bank shall not deploy the mechanism to restrict or disable the borrower's device functionalities.

डेबिट कार्ड बदलकर नकली थमा दिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने एक बुजुर्ग को पैसे निकालने में मदद करने का झांसा देकर उनका एटीएम कार्ड बदल लिया और बाद में खाते से 20 हजार से अधिक रुपए निकाल लिए। पुलिस ने जांच कर मंगलवार को एफआईआर की है।

पुलिस के अनुसार 74 साल के महेश वर्मा निवासी परदेशीपुरा 17 मई की शाम परदेशीपुरा चौराहे पर राखोड़ी धर्मशाला के नीचे एसबीआई एटीएम पर पैसे निकालने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि मशीन में कार्ड फंस रहा था। उन्हें दिक्कत आ रही थी। बाहर की तरफ दो अज्ञात युवक खड़े थे, जो कुछ देर बाद उनके पास आए और मदद करने की बात कही। उन्होंने एटीएम लगाने का तरीका बताया, इसी दौरान कार्ड बदल लिया। बातचीत के दौरान उन्होंने पिन नंबर भी देख लिया।

कुछ देर बाद उन्होंने रुपए नहीं निकलने की बात कही और दोनों युवक वहां से चले गए तो महेश वर्मा ने कार्ड देखा और उन्हें संदेह हुआ कि यह उनका एटीएम कार्ड नहीं है। इसके बाद वे घर पहुंचे और अपने बेटे अभिदित्य वर्मा को पूरी घटना की जानकारी दी। इसी बीच शाम करीब 6:30 बजे से 7 बजे के बीच उनके मोबाइल पर खाते से रकम निकाले जाने के एसएमएस आने लगे। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने आईटीआई कनकेश्वरी क्षेत्र से 10-10 हजार रुपए के दो ट्रांजेक्शन किए, जबकि एक अन्य 100 रुपए का ट्रांजेक्शन बापट चौराहा क्षेत्र में किया गया। बेटे ने तत्काल बैंक से संपर्क कर एटीएम कार्ड ब्लॉक करवाया, लेकिन तब तक आरोपी खाते से कुल 20,100 रुपए निकाल चुके थे। इस मामले मे पीड़ित बुजुर्ग ने लिखित शिकायत की थी।

चार महीने पहले उजड़ा था सिंदूर

अब 12 साल की बेटी ने भी लगा लिया फंदा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रगति नगर, छोटा बांगड़दा इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 12 वर्षीय मासूम बच्ची ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मर्ग कायम कर पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका का नाम राधिका है और वह राकेश की पुत्री थी। उसने मंगलवार की शाम को अपने ही घर के भीतर दुपट्टे की मदद से फंदा बनाया और उस पर झूल गई। बताया जा रहा है कि राधिका ने हाल ही में एक सरकारी स्कूल से पांचवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इस दर्दनाक हादसे का खुलासा

तब हुआ जब राधिका की छोटी बहन काफी देर तक घर का मुख्य दरवाजा खटखटाती रही। जब भीतर से किसी भी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया या आवाज नहीं आई, तो बच्ची ने घबराकर तुरंत आसपास रहने वाले पड़ोसियों को इस बात की सूचना दी। स्थानीय नागरिकों ने मौके पर पहुंचकर तत्परता दिखाई और बंद दरवाजे को खोला, तो भीतर का नजारा देखकर सबके होश उड़ गए। राधिका कमरे में फंदे से लटकी हुई अवस्था में पाई गई। राधिका के परिजनों ने रोते हुए बताया कि राधिका की मां एक स्थानीय स्कूल में मध्याह्न भोजन बनाने का कार्य करती है। जिस समय यह कदम उठाया गया, उस दौरान मां अपनी बड़ी बेटी को साथ लेकर काम पर गई हुई थी। देर शाम जब दोनों मां-बेटी बाजार से घर का जरूरी राशन और सब्जियां खरीदकर वापस लौटीं, तब जाकर उन्हें इस हादसे की जानकारी मिली, जिससे पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक